

त्रिभुवन पुं. (तत्.) तीन लोक- स्वर्ग, पृथ्वी, पाताल।

त्रिमुख पुं. (तत्.) 1. शाक्यमुनि 2. गायत्री जपने की एक मुद्रा।

त्रिमूर्ति पुं. (तत्.) 1. ब्रह्मा, विष्णु और महेश 2. सूर्य स्त्री. 1. ब्रह्म की एक शक्ति 2. बौद्धों की एक देवी।

त्रिय स्त्री. (देश.) दे. त्रिया।

त्रिया वि. (तत्.) औरत, स्त्री, नारी।

त्रियाजीत वि. (तत्.) स्त्री के वश में न आने वाला।

त्रियातीत वि. (तत्.) तीन या त्रिगुण से परे टि. त्रियातीत की श्रेणी को सबसे बढ़कर बताया गया है।

त्रियोदश वि. (तद्.) दे. त्रयोदश।

त्रिरेख वि. (तत्.) तीन रेखाओं वाला।

त्रिलोक पुं. (तत्.) तीनों लोक, स्वर्ग-मर्त्य और पाताल लोक।

त्रिलोकनाथ पुं. (तत्.) तीनों लोकों का स्वामी, ईश्वर 2. कृष्ण 3. सूर्य 4. राम-कृष्ण आदि विष्णु का कोई अवतार।

त्रिलोकपति पुं. (तत्.) दे. त्रिलोकनाथ।

त्रिलोकमणि पुं. (तत्.) सूर्य।

त्रिलोकी पुं. (तद्.) 1. ईश्वर, भगवान 2. सूर्य।

त्रिलोकी नाथ पुं. (तद्.) दे. त्रिलोकनाथ।

त्रिलोकेश पुं. (तत्.) 1. ईश्वर, भगवान 2. सूर्य।

त्रिलोचन पुं. (तत्.) शिव, महादेव।

त्रिलोचना स्त्री. (तत्.) 1. दुर्गा 2. व्यभिचारिणी स्त्री।

त्रिवट पुं. (तत्.) दे. त्रिवण।

त्रिवण पुं. (तत्.) एक संपूर्ण जाति का राग जो दोपहर के समय गाया जाता है।

त्रिवणी स्त्री. (तत्.) एक रागिनी।

त्रिवली स्त्री. (तत्.) दे. त्रिबली।

त्रिविक्रम पुं. (तत्.) 1. वामन अवतार 2. विष्णु।

त्रिविध वि. (तत्.) तीन प्रकार का क्रि.वि. तीन प्रकार से।

त्रिवेणी स्त्री. (तत्.) तीन नदियों का संगम गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम स्थान, प्रयाग।

त्रिवेद पुं. (तत्.) ऋक, यजु तथा सामवेद 2. तीनों वेदों का ज्ञाता।

त्रिवेदी पुं. (तत्.) तीनों वेदों, ऋक, यजु, साम को जानने वाला।

त्रिशंकु पुं. (तत्.) एक सूर्यवंशी राजा जो हरिश्चंद्र के पिता थे, जिन्हें ऋषि विश्वामित्र ने सशरीर स्वर्ग भेजा किंतु इंद्र ने उन्हें पुनः मर्त्य लोक की ओर धकेल दिया, तभी से वे बीच में लटके हुए हैं।

त्रिशक्ति स्त्री. (तत्.) 1. इच्छा, ज्ञान और क्रिया रूपी तीन शक्तियाँ 2. तांत्रिकों में काली, तारा, त्रिपुरा-तीनों देवियाँ 3. गायत्री।

त्रिशूल पुं. (तत्.) 1. एक प्रकार का अस्त्र, जिसके सिर पर तीन फल होते हैं 2. दैहिक, दैविक और भौतिक तीन दुख।

त्रिशूलधारी पुं. (तत्.) शिव।

त्रिशूली पुं. (तत्.) त्रिशूलधारी, शिव।

त्रिसित वि. (तद्.) दे. तृषित।

त्रुसिता स्त्री. (तत्.) त्रिशर्करा, गुड़, शक्कर, मिश्री-तीनों का मिश्रण।

त्रुटि स्त्री. (तत्.) 1. कमी, गलती 2. भूल-चूक 3. छोटी इलायची या उसका पौधा 4. समय का एक सूक्ष्म विभाग जो दो क्षण के बराबर होता है।

त्रुटित वि. (तत्.) 1. टूटा हुआ 2. आहत।

त्रेता पुं. (तत्.) चार युगों में से दूसरा युग, जिसमें भगवान राम हुए थे।